

DPN 5564

Title : म्ये सफू / MYE SAPHU

Run. No. 6255

Cat. No.

Micro. No.

Subject म्ये संगु.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 20 x 8.5

Folios 4

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 899 व नमन जोगिनी गज

Ruler / place

जयप्रकाश मल्ल, ३^०
Jayaprakash Malla
Kantipur

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thya^ssaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

कुल ६५५॥ मेय, ६५५॥ नाम / Actual lines of songs contained in this codex

1. $\frac{1}{2} \times 100 = 50\%$

ॐ जय गजवान त्रिभुवन्या साय ॥ च(प) ३ १५ ५, ५ मर्क

2. प्रायः यथावत्

नमो भगवते वासुदेवाय : नमो व्याहस्य ओम्वा मुचापानि गिरिः जय हे : ओम्वा (वासा)

मन्साभापा जिनः दिङ्गे तथा आसा प्रभुः मनया तुलन या आः किम्राज [ध] मेव न स्य

अपराध स्वप्न याओ विनति डेड्डे प्रभु गुरान विडो जित मन पु याहुम् ॥ १०॥

नमपालय दत्तपतिः श्री जय प्रकाश महा प्रभु (सिंह) जि पति नरवलद प्रसन्न ॥
कमलेश्वर

कथनो यो सवज्य धन : रक्खस केडा. सावज्य जन : सहस (स) विनीत प्रभुः
नयन जोगिनी राज : निपालया सिवदा. जोगिनी विनीत प्रभुः

नयन जोगिनी राजः निपालमा सिद्धा जेष्ठ मासे धुड पक्ष पञ्चमि ॥ ११ ॥
दुव्या ख वहाडा जिन नगाय मने लगे

દુલ્ક્યા રવ વહાડા જિન નુગાસ મનેહાડો : ગુનિ જન્ય સ્થગ ઉપહાસ માતેલ્ય ॥ ૧૨ ॥

20
15
10
5
0



centimeter 5 10 15 20 25

ज्ञाऽऽऽया दा या दा ध्वम जिञा उ वा य स्म दा स्म प्ररुहि
 म ता ई स्म त स्म ॥ ५ ॥ गु लि सं दू म रि ङः या दा न जि थ न
 क न इ र्वा या र्वा स मु ड झा दा आ कू या य नि ॥ ६ ॥ लि गी
 ग गी रू तु तु नः अ न्य ग इ र्वा तु आ स्म धि न ता या सि मा
 ध्व जि ग दा आ र्वा आ ना या ॥ ७ ॥ हा य ग ध्व न आ आ ता
 क स र रि न र ता थ आ म जि न स्म दा न स क त क हा

स नि ॥ ८ ॥ दू व त स जि यि आ ता स्म आ सा न जि वा ना
 स न आ सा न का त आ ना या ग म क य ड मा ध्व नि ॥ लि स
 त क लि या वि यिः य ता स न दा आ म नः दू कू म र्वा नि कू
 स र्वा ग ध्व या न्य थ न नि ॥ ९ ॥ य आ या र्वा स क स्म आ या आ
 आ जि दा ना या थ नः गु धि स द ना या आ आ ध्व हा आ य म
 जि आ ॥ १० ॥ आ ता य म रु ताः क ल म स स द क याः या दा

यादा गुलिन जिम जिं जादी काय नि ॥ ८ ॥ जा माया
 जाला याद ख व तिरवा या न ख हय थः रु या न रु य
 स जिः ग थ स रु या य ति ॥ जा लिन क जा जि क थ क
 स स इ व न रु नः लख न पि वा क दा थः जि जा रु का य
 न नि ॥ ९ ॥ भ थि स सा न स थ स कि नि रु स थि नः स रु
 का या भा जा जि नः थ ल स या रा जा नि ॥ अ य ना थ

स ५ य ०।

ख मा या जा वि न ति ६ ह न्य प्र रु रु न त न वि जा जि
 त स न पु न या रु न्य ॥ १० ॥ न्य पा ल या रु रु प तिः श्री
 ज य पु का स स ल पु रु स्य न जि प नि त ल ख ल प पु स
 म्य ॥ क मा या स क य थ नः ख स के रु दा थ रु नः स
 रु स वि स ति पु रुः वि वा क न पु स न्य ॥ ११ ॥ न य न
 जा जि नि ग रुः नि पा ल या सं व रु ना रु रु मा स रु

कृप कृपु न मासि ति थि स ॥ इ र व या ख ला डा डि
 नः नु ग न न म के डा आः रु नि इ न्न पा न स्य न
 हा स स न्न ला ॥ ११ ॥ त ग ग्री त ल दः ज य ज म रु ग वान
 कि रू व ला ॥ १२ ॥ इ ग न उ आ न या क म यु छि वि ता न ॥ १३ ॥
 न म या आ ग न इ स्य वि आ क श्व हा न स्र गु लि ना क स मै दु
 न श ल छि स मा न ॥ १४ ॥ वे न स यु ता अ ति के त्थ श्व मा न ॥
 नै ग या व या रु य रु त कू ल ता न ॥ १५ ॥ म न स स त्रा आ अ

नमो भगवते
 नमो भगवते

नया नमो माहा नाराजा ॥ ३ ॥ शुभ नमो माहा प्रह्लाद
कनिषोऽऽः माहा नाराजा ॥ कर्म नमो देवदेव
विनिशुख या य ॥ ४ ॥ उवाच कया देहा न
कपाहिः लस्य कमाहा नाराजा ॥ शुभ प्रह्लाद
य कहि वै हिन पान ॥ ५ ॥ ग्वलुख नाथ गु
नुः स विन्द नाथः माहा नाराजा ॥ वै सित स्युः

नख नमो साध ॥ ६ ॥ स विन्द नाथः ग्वलुख नाथ
धम थः माहा नाराजा ॥ आसि वनः खनमनी ल
सु थ का श ॥ ७ ॥ नाग ॥ सिद्धा का ॥ शुभ नमो माहा क
सु नमो शिव यख र गवानः संशया तिसाति पुत्रिय
इ मा श नमो सनाः विष्णु कुलिः आसित गनः
॥ ना क नाथ ॥ ८ ॥ लूम विजय मा शः पवित्र

या ह यि न उं न य श सा शः हि स स्य नः नि स
ना थ न स्य नः अ स न र न लिः पि उ ना ना य न
न सा ल र ग व ति ॥ २ ॥ प उ प ति हो ना ना थ
या ल शु कि ना ग ना शो ॥ व द्वा ना द वि शु द्वा
स्य त्रिः खा सा यि न्वा र ग वाः ग ल ड ना ना य न
न थ स हा उ व द न शो जी नी ३ ॥ श न द स या

कं दं स्व त्रिः र व य या न य श सा शो र पा यि न्द्र थ
क न नः ड स न ना न कंः रु न सि धिः स द्धि न्द्र ना थ
हि स स्य न नां ॥ ४ ॥ उ उं र ल त्रिः इ न र नु लिः
को नां र नु लि न स्य नां ॥ प्पा य थ न कि निः प न्थ पा
या न कि नि रा शु य स्य को ति दे उ ना क न स्य का
न नां ॥ ५ ॥ ना ग सा ल र ग ॥ अ य अ य र ग वा न वि न

ॐ

निमदानः दुहन् विनतिख नाथं ॥ मरुया क्लिष्टम
नमः कुरुन जिजनमः साया मरु हा जालुसदा
॥ १ ॥ राभु थिनध नजन नथिलु जिवनः सा
थिलधलमः मरुया क्लसालधम ॥ गधरुन्यथा
जनमः दान रग नि राशहिना ॥ जय जय ॥ २ ॥
जतिमनिसा नष्टिः नाम जगत्सम्बन्ध गदधि

विनान गति ॥ धनमकलमधमः मरुया वि
नप्ररुः ॥ लो रसु उरुल नपसन ॥ ३ ॥ झा
क्लिदासेया विनतिद्य हन्यः नायगु जति
सवास ॥ विमनिकन गोत्रि हाध क्लिपा दसम
नानथपुलप्रसन्धः जय २ रगवान विनति
सदानः दुहन् विख नाथं ॥ ४ ॥ मरु रु ररु